आर्किटेक्ट दल ने निगम आयुक्त के साथ किया निरीक्षण

निखरेगा रूप : अमृत सागर झील संरक्षण योजना में डीपीआर की तैयारी हुई तेज

पत्रिका
बिग इश्यू

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. शहर के अमृत सागर झील के संरक्षण, संवर्धन, उन्नयन, सौन्दर्यीकरण की डीपीआर की तैयारी तेज हो गई है। इसके लिए इंदौर के 9 स्केवयर आर्किटेक्ट दल ने स्थल का निरीक्षण सोमवार को किया है। इस दौरान नगर निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया ने दल के सदस्यों को अमृत सागर क्षेत्र का पूरा भ्रमण करवाया।

दोपहर करीब 3 बजे बाद 9 स्केवयर आर्किटेक्ट दल के सदस्य श्रुति व्यास, सचिन चतुर्वेदी, रिमझिम, बिड्स पिलानी के राजीव गुप्ता अमृत सागर तालाब क्षेत्र में झील संरक्षण योजना में निरीक्षण करने पहुंचे। इनके साथ निगम आयुक्त झारिया भी रहे। दल के सदस्यों ने पत्रिका को बताया अमृत सागर तालाब का दल द्वारा किये गये सर्वे के तहत योजना में तालाब संरक्षण, संवर्धन, उन्नयन व सौन्दर्यीकरण की डीपीआर तैयार की जाएगी। इसके लिए मंगलवार से तैयारी शुरू हो जाएगी।

10 हजार परिवार का आता है पानी

निरीक्षण के दौरान निगम आयुक्त झारिया ने सदस्यों को बताया कि तालाब में शहर के लगभग 10 हजार परिवारों का पानी आता है। तालाब में पानी छनकर व साफ होकर आये इस हेतु दो नालों पर वेटलैण्ड का निर्माण कराया जाना है तथा एक नाले को डायवर्ट किया जाना है।

यहां होगा सौंदर्यीकरण

झाल संरक्षण में तालाब की सफाई के साथ - साथ अति प्राचीन श्रीगढ़ कैलाश मंदिर क्षेत्र में रैलिंग, तालाब के पाल की स्टोन पिचिंग, बाउण्ड्रीवॉल, पाथवे, सड़क, बोटिंग प्लेटफार्म, लाईटिंग, टीन टायलेट ब्लॉक, दुकाने, ऑफिस, गजीबो गेट, टिकट काउन्टर आदि का निर्माण कराया जाकर अमृत सागर तालाब को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा।

करीब 0.18 वर्ग किमी में फैला है तालाब

विधायक काश्यप ने पत्रिका को बताया अमृतसागर तालाब 0.18 वर्ग किमी में फैला है। इसमें दो प्रमुख बोहरा बाखल और लक्कड़पीठा क्षेत्र का नाला आकर मिलता है जिससे पानी दूषित होता है। 15 वर्षों से तालाब में जलकुंभी की समस्या भी हो गई। योजना में इसे जड़ से खत्म कर दिया जाएगा। नालों को भी डायवर्ट करके सौंदर्यीकरण एवं तालाब की पाल का व्यवस्थित निर्माण कर इसे पर्यटन स्थल के विकसित करने की योजना है। इसके करीब ही बिजली कंपनी गैस से चलने वाला स्टेशन बना रहा है।

यह रहे साथ में

निरीक्षण के दौरान प्रभारी कार्यपालन यंत्री अरविन्द दशोत्तर, प्रभारी सहायक यंत्री अनवर कुरेशी, झोन प्रभारी विनय चौहान आदि उपस्थित थे।

इस तरह समझे योजन

विधायक चेतन्य काश्यप की पहल पर केंद्र सरकार ने झील संरक्षण योजना में प्रोजेक्ट को मंजूरी दी थी। इतना ही नहीं पहली किस्त में 6.85 करोड़ रुपए का अनुदान भी राज्य सरकार को दे दिया था। पर्यावरण तथा नगरीय प्रशासन विभाग के प्रमुख अधिकारियों ने योजना के लिए नगर निगम आयुक्त झारिया से बात भी की थी। अमृत सागर के उद्धार की योजना करीब 15 वर्ष पूर्व से लंबित थी। पहले कई संशोधन और परिवर्तन हुए व बाद में इ बंद भी कर दिया गया था। विधायक चेतन्य काश्यप ने केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर बात कर योजना को फिर से स्वीकृत कराया था। विधायक काश्यप की पहल पर भोपाल बैठक हुई थी। इसमें पर्यावरण विभाग के प्रमुख सचिव मलय श्रीवास्तव, नगरीय प्रशासन विभाग के आयुक्त निकुंज श्रीवास्तव के साथ नगर निगम आयुक्त झारिया ने योजना को अमलीजामा पहनाने की प्रारं रूपरेखा बनाई थी।

पत्रिका

पत्रिका 16/11/21

अमृत सागर में मिलने वाले दो नालों पर बनेगा वैटलैंड, एक नाला डायवर्ट होगा

निगम आयुक्त ने प्रोजेक्ट की डीपीआर बनाने के निर्देश दिए, इंदौर के आर्किटेक्ट दल ने किया दौरा

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। अमृत सागर तालाब के संरक्षण, संवर्धन, उन्नयन, सुंदरीकरण की डीपीआर तैयार करने के लिए सोमवार को निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया के साथ इंदौर के नौ स्क्वेयर आर्किटेक्ट दल ने तालाब व आसपास के परिसर का निरीक्षण किया।

निगम आयुक्त ने आर्किटेक्ट दल के श्रुति व्यास, सचिन चतुर्वेदी, रिमझिम, बिट्स पिलानी के राजीव गुप्ता को अमृत सागर तालाब के संपूर्ण क्षेत्र का निरीक्षण कराया। निरीक्षण के दौरान निगम आयुक्त ने बताया कि तालाब में लगभग 10 हजार घरों से निकलने वाला पानी आता है, तालाब में पानी छनकर व साफ होकर आए इसके लिए दो नालों पर वेटलैंड का निर्माण कराया जाना है व एक नाले को डायवर्ट किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान प्रभारी कार्यपालन यंत्री अरविंद दशोत्तर, प्रभारी सहायक यंत्री अनवर कुरैशी, झोन प्रभारी विनय चौहान आदि उपस्थित रहे।

मालूम हो कि शहर के बीच स्थित प्राचीन अमृत सागर तालाब के सुंदरीकरण को लेकर केंद्र की झील संरक्षण योजना में 22.84 करोड़ की लागत आएगी। प्रोजेक्ट में प्रथम किस्त के रूप में 6.85 करोड़ रुपये का अनुदान मिलने के बाद नगर निगम ने आर्किटेक्ट नियुक्त किया है। इसमें जहां एक्वेटिक बीड हार्वेस्टर मशीन से तालाब की सफाई की जाएगी वहीं तालाब की गाद निकालने के लिए भी ड्रैजर मशीन का उपयोग होगा।

अमृत सागर तालाब क्षेत्र का निरीक्षण करते निगमायुक्त सोमनाथ झारिया। • नईदुनिया

मालूम हो कि इस योजना की लागत करीब 40 करोड़ आंकी गई थी। कई संशोधन व परिवर्तन के बाद केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय में मामला अटक गया। 0.18 वर्ग किलोमीटर में फैले तालाब में बोहरा बाखल तथा लक्कड़पीठा नाले का दूषित पानी मिलता है। गत एक-डेढ़ दशक से जलकुंभी की समस्या है।

दस साल तक मेंटेनेंस व संचालन करेगी फर्म

बीड हार्वेस्टर मशीन से तालाब में जलकुंभी सहित अन्य कचरा साफ किया जाएगा। 2.70 करोड़ रुपये की लागत का ठेका लेने वाली फर्म को 10 साल तक मशीन का संचालन व संधारण करना होगा। एक्वेटिक बीड हार्वेस्टर मशीन नाव की तरह होती है और चलते-चलते ही मशीन के दूसरे हिस्से में पानी में तैर रहा कचरा, जलकुंभी जमा होती है। तालाब से गाद निकालने का का लेने वाली फर्म को तालाब से गाद निकालकर 10 किमी दूर फेंकना होगी।

यह काम भी होंगे

योजना में गढ़ कैलाश मंदिर क्षेत्र में रेलिंग, तालाब के पाल की स्टोन पिचिंग, बाउंड्रीवाल, पाथवे, सड़क, बोटिंग प्लेटफार्म, लाइटिंग, टीन टायलेट ब्लाक, दुकानें, आफिस, गजीबो गेट, टिकट काउंटर आदि का निर्माण कर अमृत सागर तालाब को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा।

> अमृत सागर तालाब के संरक्षण, संवर्धन, उन्नयन, सुंदरीकरण के लिए आर्किटेक्ट दल को जरूरी जानकारियां देने के बाद डीपीआर तैयार करने के निर्देश दिए है। झील संरक्षण योजना में सभी बिंदुओं पर काम हो रहा है।
>
> -सोमनाथ झारिया, निगमायुक्त

नई

नईदुनिया 16/11/21

अमृत सागर तालाब के सौन्दर्यीकरण की जल्द होगी डीपीआर तैयार

रतलाम। अमृत सागर तालाब के संरक्षण, संवर्धन, उन्नयन, सौन्दर्यीकरण की डीपीआर तैयार किये जाने हेतु निगमायुक्त सोमनाथ झारिया के साथ इंदौर के 9 स्क्वेयर आर्किटेक्ट दल ने स्थल का निरीक्षण किया। निगमायुक्त 9 स्क्वेयर आर्किटेक्ट दल के श्रुति व्यास, सचिन चतुर्वेदी, रिमझिम, बिड्स पिलानी के राजीव गुप्ता को अमृत सागर तालाब के संपूर्ण क्षेत्र का निरीक्षण कराया। अमृत सागर तालाब का दल द्वारा किये गये सर्वे के तहत योजना में तालाब संरक्षण, संवर्धन, उन्नयन व सौन्दर्यीकरण की डीपीआर तैयार की जायेगी। निरीक्षण के दौरान निगम आयुक्त श्री झारिया ने बताया कि तालाब में लगभग 10 हजार परिवारों का पानी आता है, तालाब में पानी छनकर व साफ होकर आये इस हेतु दो नालों पर वेटलैण्ड का निर्माण कराया जाना तथा एक नाले को डायवर्ट किया जाना है।

अग्निबाण 16/11/21

अमृत सागर तालाब के संरक्षण, संवर्धन, उन्नयन, सौन्दर्यीकरण की शीघ्र होगी डीपीआर तैयार

प्रसारण न्यूज़ • रतलाम

9 स्क्वेयर आर्किटेक्ट दल ने निगम आयुक्त झारिया के साथ किया स्थल का निरीक्षण

अमृत सागर तालाब के संरक्षण, संवर्धन, उन्नयन, सौन्दर्यीकरण की डीपीआर तैयार किये जाने हेतु निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया के साथ इंदौर के 9 स्क्वेयर आर्किटेक्ट दल ने स्थल का निरीक्षण किया।

निगम आयुक्त श्री झारिया ने 9 स्क्वेयर आर्किटेक्ट दल के श्रीमती श्रुति व्यास, सचिन चतुर्वेदी, रिमझिम, बिड्स पिलानी के राजीव गुप्ता को अमृत सागर तालाब के संपूर्ण क्षेत्र का निरीक्षण कराया। अमृत सागर तालाब का दल द्वारा किये गये सर्वे के तहत योजना में तालाब संरक्षण, संवर्धन, उन्नयन व सौन्दर्यीकरण की डीपीआर तैयार की जायेगी।

निरीक्षण के दौरान निगम आयुक्त श्री झारिया ने बताया कि तालाब में लगभग 10 हजार परिवारों का पानी आता है, तालाब में पानी छनकर व साफ होकर आये इस हेतु दो नालों पर वेटलैण्ड का निर्माण कराया जाना है तथा एक नाले को डायवर्ट किया जाना है।

इसके अलावा गढ़ कैलाश मंदिर क्षेत्र में रैलिंग, तालाब के पाल की स्टोन पिचिंग, बाउण्ड्रीवॉल, पाथवे, सड़क, बोटिंग प्लेटफार्म, लाईटिंग, टीन टायलेट ब्लॉक, दुकाने, ऑफिस, गजीबो गेट, टिकट काउन्टर आदि का निर्माण कराया जाकर अमृत सागर तालाब को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाना है। निरीक्षण के दौरान प्रभारी कार्यपालन यंत्री अरविन्द दशोत्तर, प्रभारी सहायक - यंत्री अनवर कुरेशी, झोन प्रभारी विनय चौहान आदि उपस्थित थे।

प्रसारण 16/11/21

अमृत सागर तालाब सौंदर्यीकरण योजना • आर्किटेक्ट टीम ने देखी लोकेशन, अब बनेगी डीपीआर, 22.84 करोड़ का खर्चा आएगा

गंदा पानी रोकने तीन नालों में से दो पर वेटलैंड बनेंगे, एक डायवर्ट होगा, पॉथ-वे पर कर सकेंगे चहल-कदमी

मनोरंजन के लिए बनाया जाएगा प्ले एरिया

भास्कर संवाददाता | रतलाम

गंदे पानी से लबालब और जलकुंभी से पूरी तरह ढंक चुके ऐतिहासिक अमृत सागर तालाब की दुर्दशा ज्यादा दिन नहीं रहेगी। तालाब के सौंदर्यीकरण के झील संरक्षण योजना में बने प्रोजेक्ट ने रफ्तार पकड़ ली है। सोमवार को आर्किटेक्ट श्रुति व्यास, सचिन चतुर्वेदी, रिमझिम, बिड्स पिलानी के राजीव गुप्ता ने तालाब, नाले और आसपास की लोकेशन का सर्वे किया। अब सभी मिलकर डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करेंगे। योजना के मुताबिक 0.18 वर्ग किमी में फैले तालाब का सौंदर्यीकरण कर पिकनिक स्पॉट के रूप में विकसित किया जाएगा। तालाब में मिलने वाले गंदे पानी के लिए तीन नालों में से बोहरा बाखल और लक्कड़पीठा वाले नाले पर वैटलेंड बनाया जाएगा। इसमें से गुजरने से पानी साफ होकर तालाब तक पहुंचेगा। वहीं एक त्रिपोलिया गेट वाले को डायवर्ट कर त्रिवेणी मुक्तिधाम वाले नाले में मिलाया जाएगा। साथ ही पाल को चौड़ाकर पाथ-वे, मनोरंजन के लिए प्ले एरिया, बैठने के लिए गजेबो, पार्किंग एरिया सहित अन्य सुविधाएं जुटाई जाएगी। काम लगातार चलता रहा तो प्रोजेक्ट 2023 में पूरा हो जाएगा। आसपास की 11 कॉलोनियों में रहने वाली 24 हजार से ज्यादा लोगों को जलकुंभी, गंदे पानी और उसकी बदबू से छुटकारा मिल जाएगा। सर्वे के दौरान आयुक्त सोमनाथ झारिया, प्रभारी कार्यपालन यंत्री अरविंद दशोत्तर, प्रभारी सहायक यंत्री अनवर कुरैशी ने आर्किटेक्ट को जानकारी दी।

2019 में फिर शुरू हुआ था प्रोजेक्ट - 2007 से तालाब के सौंदर्यीकरण के लिए बनना शुरू हुई योजना 2019 में लगभग बंद हो गई थी। विधायक चेतन्य काश्यप ने केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर से बात करके योजना को मंजूरी दिलवाई थी। इसके लिए नगर निगम और राज्य वेटलैंड प्राधिकरण के पर्यावरण नियोजन एवं समन्वयक संगठन के बीच एमओयू साइन हो चुका है।

अमृत सागर सौंदर्यीकरण

- मशीन व केमिकल ट्रीटमेंट से जलकुंभी को जड़ से खत्म करना 3.88 करोड़
- तालाब की गंदगी को 10 किमी दूर ले जाकर निटपान 3.47 करोड़
- पाल की पिचिंग और चौड़ीकरण करके पॉथ-वे का निर्माण 1 करोड़
- दो नालों को डायवर्ट करना 50 लाख
- दो जगह वैटलेंड वेस्टवेयर ट्रीटमेंट । 2.50 करोड़
- जलापूर्ति व स्वच्छता 1.85 करोड़
- सालिड वेस्ट मैनेजमेंट 50 लाख
- बाउंड्रीवाल 1.97 करोड़
- तीन प्रवेश द्वार, पार्किंग एरिया, लैंप पोस्ट, बैंच, बोचिंग, गजेबो 2.87 करोड़

वॉच टॉवर, टूरिज्म ऑफिस और पब्लिक अवेयरनेस । 40 लाख
तालाब के पानी की नियमित मॉनीटरिंग 40 लाख
जीएसटी 3.48 करोड़

6.85 करोड़ रुपए का अनुदान राज्य सरकार को केंद्र ने दे दिया

बोहरा बाखल नाले को डायवर्ट करने की योजना पर चर्चा करते निगम अफसर।

एक्वेटिक वीड हार्वेस्टर मशीन से साफ होगी जलकुंभी

सबसे पहले तालाब की जलकुंभी हटाई जाएगी। इसके लिए नगर निगम ने 3 करोड़ की लागत वाली एक्वेटिक वीड हार्वेस्टर मशीन की टेंडर बुला लिए हैं। अब सिर्फ टेंडर कमेटी की मंजूरी मिलना बाकी है। टेंडर लेने वाली कंपनी 10 साल तक मशीन का संचालन और मेंटिनेंस भी करेगी। इसके अलावा गाद निकालने के लिए 3.30 करोड़ रुपए वाली ड्रेजिंग मशीन भी आएगी। इसकी टेंडर प्रक्रिया चल रही है। इसके लिए केंद्र सरकार ने पहली किस्त में 6.85 करोड़ रुपए का अनुदान राज्य सरकार को दे दिया है। इसमें से 4 करोड़ रुपए 4 फरवरी को दौरे पर आए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान प्रशासन को सौंप चुके हैं।

इन कॉलोनियों को मिलेगा फायदा

श्रीनगर, अमृत सागर कॉलोनी, दीनदयाल नगर, टाटा नगर, रिद्धि-सिद्धी, बोहरा बाखल, त्रिपोलिया गेट, आदर्श कल्याण गुरु नगर, मोती नगर, राम नगर व अन्य।

खरीदेंगे सफाई की आधुनिक मशीनें

अमृत सागर तालाब का सौंदर्यीकरण प्राथमिकता वाला प्रोजेक्ट है, जिसकी लगातार मॉनीटरिंग की जा रही है। सरकार से 4 करोड़ रुपए मिल चुके हैं। इससे जलकुंभी और गाद साफ करने के लिए अत्याधुनिक मशीनें खरीदी जाना है।

चेतन्य काश्यप, विधायक

दै. भास्कर 16/11/21

सस्पेंड होंगे सचिव • खेतलपुर की निजी जमीन पर बनाई सीसी सड़क पर इसी सप्ताह चलेगा बुलडोजर

कॉलोनियों की खेती : शहर से सटी पंचायतों में कॉलोनाइजर बना रहे हैं बेशकीमती बंगले

भास्कर संवाददाता | रतलाम

जमीन का खेल : नोटिस का समय गुजरे तीन दिन हुए, प्रशासन ने की तैयारी

भूमाफिया द्वारा सागोद रोड की जमीन को कम दाम में खरीदकर कॉलोनी और कॉटेज काटकर बेचने का गोरखधंधा जमकर फल-फूल रहा है। ताजा मामला सागोद रोड स्थित जयंतसेन धाम के पड़ोस से होकर गुजर रही सीमेंट कांक्रीट रोड का है, जो बिना अनुमति बनाई है। इसे प्रवेश मार्ग बताकर सैफरान कॉलोनी काटने वाला कॉलोनाइजर दो से तीन गुना दाम पर भूखंड व कॉटेज बेच रहा है। उधर, शिकायत मिलने पर कॉलोनी सेल ने सक्षम स्वीकृति लिए बगैर सीसी सड़क बनाने वाले पार्श्वनाथ डेवलपर्स व सहयोगी भागीदारों को 9 नवंबर को नोटिस जारी तीन दिन में जवाब मांगा था। यह समय सीमा गुजरे तीन दिन हो चुके हैं। अब प्रशासन ने सड़क तोड़ने की तैयारी कर ली है। इस सप्ताह सड़क पर बुलडोजर चल सकता है, वहीं सरकारी अमले ने पंचायत बिबड़ौद, बंजली और सालाखेड़ी के सरपंच व सचिवों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। फिलहाल पंचायत और नगर निगम सीमा क्षेत्र की जांच चल रही है। इसमें दोषी निकले तो पंचायतों के सचिव सस्पेंड हो सकते हैं।

जानिए, भूमाफिया की कारस्तानियां

1. बहुत कम दामों पर आदिवासियों की जमीन खरीदकर भूमाफिया रसूख के बूते सामान्य करा लेते हैं। इसके बाद जमीन पर कॉलोनी काटकर मोटा मुनाफा कमा रहे हैं।

2. पंचायत क्षेत्र में आने से कॉलोनी के लिए पंचायत से आसानी से एनओसी मिल जाती है। इसके आधार पर दूसरे विभाग अनुमति देते हैं।

3. खरीददारों को धोखा देने और रुपए बचाने के लिए एक-दूसरे की सड़क को प्रवेश मार्ग बताकर ऊंचे दामों पर भूखंड बेच रहे हैं।

पास ले-आउट में बिबड़ौद तरफ से बताया है प्रवेश मार्ग - विवादित सीसी सड़क को प्रवेश मार्ग बताते हुए कॉलोनाइजर ने सैफरान नामक बड़ी कॉलोनी काट दी है, जबकि पास ले-आउट में एंट्री रोड बिबड़ौद तरफ बताई है। एंट्री रोड बताई जा रही सीसी सड़क नगर निगम (खेतलपुर) के इलाके में आती है, कॉलोनी का बाकी का हिस्सा बिबड़ौद पंचायत में है। इसका फायदा उठाकर रसूखदारों ने सीधे पंचायत से अनुमति लेकर करोड़ों के बंगले बना दिए हैं।

अब नगर निगम से मांगी सीमा क्षेत्र की जानकारी - होटल लावण्या पैलेस और बरबड़ स्थित कमर्शियल कॉम्प्लेक्स व दो मकानों को अनुमति देने वाले ग्राम पंचायत बंजली और सालाखेड़ी के सचिवों से जिला पंचायत ने नोटिस देकर जवाब मांगा था। सीईओ जमुना भिड़े ने बताया पंचायतों से जवाब आ गए हैं। नगर निगम से सीमा क्षेत्र की जानकारी मांगी है। दोनों को क्रॉस चेक करने के बाद सचिवों की गलती निकली तो सख्त कार्रवाई करेंगे।

अब तक किस-किस पंचायत में मिली गड़बड़ी

पंचायत बिबड़ौद : सिंचित जमीन पर काटी कॉलोनी

पंचायत के इलाके में आने वाली सिंचित जमीन पर 2019 में सेफरॉन नामक बड़ी कॉलोनी बना दी। स्वीकृत ले-आउट के अनुसार इस कॉलोनी का प्रवेश मार्ग बिबड़ौद की तरफ से बताया है। गोलमाल करते हुए कॉलोनाइजर ने जयंतसेन धाम के पास वाली खेतलपुर स्थित निजी जमीन पर बिना अनुमति बनी सीसी सड़क से इंट्री देते हुए कॉटेज बेच डाले। सूचना मिलने पर प्रशासन की कॉलोनी सेल ने सीसी सड़क बनाने वाले कॉलोनाइजरों को नोटिस थमा दिया है। अब सड़क को तोड़ा जाएगा। इससे सैफरान कॉलोनी में जाने का कोई रास्ता नहीं रहेगा।

पंचायत बंजली

सरपंच, सचिव ने बरबड़ स्थित दो मकान और कमर्शियल कॉम्प्लेक्स के लिए निर्माण अनुमति दी, जबकि ये क्षेत्र निगम सीमा में है। प्रारंभिक जांच के बाद प्रशासन ने कॉम्प्लेक्स बनाने वाले रोशनलाल व राजूलाल पिता शंकरलाल और मकान बनाने चंद्रप्रकाश पिता सुंदरलाल त्रिवेदी, मो. आमीर पिता अब्दुल रहमान अंसारी को नोटिस जारी किया है। पंचायत की परमिशन को लेकर जांच चल रही है।

पंचायत सालाखेड़ी

पंचायत द्वारा दी परमिशन के आधार पर सालाखेड़ी फोरलेन पर बहुमंजिला होटल लावण्या पैलेस बन गई। होटल जिस जगह बनी है, वह निगम सीमा में है। सरकारी अमले ने होटल मालिक अशोक कुमार हरिवल्लभ माहेश्वरी (प्रताप नगर) को नोटिस दिए थे। होटल मालिक ने कोर्ट में केस लगा दिया है, जहां से उसे फिलहाल राहत है। कोर्ट व अन्य जांच के बाद होटल पर कार्रवाई होगी।

भास्कर

दै. भास्कर 16/11/21

दूसरा डोज लगवाए बिना मैसेज मिले कि लग गया है तो बेफिक्र न हों, केंद्र पर जाएं, टीका लगेगा

भास्कर संवाददाता | रतलाम

आपने वैक्सीन का पहला डोज तो लगवा लिया, दूसरा डोज लगवाना है। दूसरा डोज लगवाने से पहले आपके पास मैसेज आ जाए कि बधाई हो... आपको दूसरा डोज लग गया है तो स्वाभाविक है कि आप घबरा जाएंगे। ऐसा कई लोगों के साथ हो रहा है। आपके साथ भी हो तो घबराएं नहीं बल्कि केंद्र पर जाकर वास्तविक स्थिति बता दें, आपको वैक्सीन लगाने में परेशानी नहीं होगी।

दरअसल, शहर में कई लोगों के साथ ऐसा हो रहा है। पहला मामला 39 वर्षीय दीपेश ओझा के साथ का है, उन्होंने 11 सितंबर को बिरियाखेड़ी में पहला टीका लगवाया था। 10 नवंबर को 4.53 बजे उनके पास मैसेज आ गया कि उन्हें दूसरा डोज लग गया है। जबकि वे दूसरा डोज लगवाने के लिए केंद्र पर गए ही नहीं। दीपेश ओझा ने बताया उनके पास फोन आया था जिसमें वैक्सीन के डोज के बारे में पूछा था, उन्होंने दीपावली बाद लगवाने की बात कही थी। ऐसा ही दूसरा मामला अरविंद चाचरिया के साथ हुआ। 29 साल के अरविंद को कोविशील्ड का पहला टीका डीआरएम ऑफिस में 10 जून को लगा था। 19 अक्टूबर को उनके पास दूसरा डोज लगने का मैसेज आ गया। जबकि, वे टीका लगवाने ही नहीं गए।

रतलाम

मोबाइल नंबर भूल गए तो भी लगवा सकते हैं टीका

शहर प्रभारी लोकेश वैष्णव ने बताया आमतौर पर ऐसा गफलत के कारण होता है। सेंटरों से लोगों से पूछा जाता है कि वैक्सीन लगी या नहीं। कई बार गलत जानकारी मिलने या त्रुटि होने से ऐसा होता है। हालांकि, इसमें चिंतित होने की जरूरत नहीं है। यदि किसी के साथ ऐसा हुआ है, तो वह केंद्र पर जा सकता है। वहां जांच के बाद वैक्सीन लगा दी जाएगी। किसी के पास यदि वैक्सीन लगाने के बाद मैसेज नहीं आता है, या वह अपना पुराना मोबाइल नंबर भूल गया है, तो दूसरा डोज लगवा सकता है। इसके लिए केंद्र पर वोटर आईडी या आधार कार्ड लेकर जाना होगा।

वैक्सीनेशन के लिए माइक्रो प्लान बनेगा

वैक्सीनेशन की धीमी गति को लेकर कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम खासे नाराज दिख रहे हैं। सोमवार को टीएल मीटिंग में कलेक्टर की नाराजगी दिखी। आलोट एसडीएम को छोड़कर सभी एसडीएम के धीमे काम पर कलेक्टर नाराज हुए। माइक्रोप्लान बनाकर समीक्षा करने का कहा है। दूसरे डोज के वैक्सीनेशन को तेज करने पर जोर है, इसे लेकर कलेक्टर ने सैलाना खंड चिकित्सा अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई प्रस्तावित करने के लिए सीएमएचओ को कहा। चेतावनी दी कि वैक्सीनेशन सेकंड डोज का लक्ष्य दी गई समय सीमा में पूरा नहीं किया, तो उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने कहा जिले में तीन दिन में 75 हजार वैक्सीन लगाई जाना है।

दै. भास्कर 16/11/21

काटेज-कालोनी से न विकास शुल्क मिल रहा न आश्रय निधि

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। शहर की सीमा से लगे गांवों में कृषि भूमि पर काटेज के नाम पर विकसित की गई कालोनियों के चलते नगर निगम व राजस्व विभाग को राजस्व का खासा नुकसान हो रहा है। इसके साथ ही दाम तीन से चार गुना बढ़ने से गांवों में भी मध्यमवर्गीय व्यक्ति को आवास के लिए जमीन खरीदना सपना हो गया है। अब प्रशासन की कार्रवाई शुरू हुई है तो शहर सीमा से लगे सभी प्रमुख गांवों में अवैध कालोनियों की जानकारी सामने आ रही है।

मालूम हो कि नगर निगम सीमा में कालोनी विकसित करने पर टीएनसीपी से नक्शा स्वीकृत कराने के लिए बगीचे, पानी की टंकी, सड़क सहित अन्य सभी प्रविधानों को पूरा करना पड़ता है। इसके साथ ही निगम से विकास अनुमति के लिए तय शुल्क, ईडब्ल्यूएस आवास या आश्रय निधि भी जमा कराना होती है। इसके विपरीत काटेज श्रेणी में जमीन पर सिर्फ सड़क बनाकर 5500 वर्गफीट या इससे अधिक क्षेत्रफल के भूखंड काट दिए जाते हैं। पूर्व में इस तर्ज पर काटी गई कालोनियों में बाद में भूखंड के छोटे-छोटे टुकड़े कर बेचने से अवैध बसाहट बढ़ती गई।

बिबड़ौद रोड पर जयंतसेन धाम के समीप पार्श्वनाथ डेवलपर्स व भागीदार को अवैध काटेज कालोनी के लिए नोटिस जारी करने के बाद तीन दिन की समय सीमा मंगलवार को पूरी हो जाएगी। पार्श्वनाथ डेवलपर्स व भागीदार से मांगे गए दस्तावेज या जवाब प्रस्तुत करने पर दस्तावेजों का परीक्षण कर आगे कार्रवाई होगी। समीप काटी गई सैफरान कालोनी का प्रवेश भी इसी कालोनी के मार्ग से है। ऐसे में अगर मुख्य मार्ग अवैध घोषित होता है तो दोनों कालोनियों पर असर आएगा।

खुली परतें

- शहर सीमा से लगे गांवों में बढ़ा चलन, शासन को नुकसान
- पार्श्वनाथ डेवलपर्स के जवाब का परीक्षण कर होगी कार्रवाई

द्वारका में आगे बढ़ी सुनवाई

सैलाना रोड ओवरब्रिज के समीप स्थित द्वारका रेसीडेंसी के संचालक द्वारा निर्माण अनुमति, नक्शा निरस्त करने के आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट में दायर याचिका पर सोमवार को सुनवाई के बाद अब आगे की सुनवाई के लिए मंगलवार को तारीख तय होगी।

वर्ष 2016 के बाद बनी अवैध कालोनियों को चिह्नित कर कार्रवाई की जा रही है। जहां कंपाउंडिंग की संभावना होगी, वहां नियमानुसार कार्रवाई कर अवसर देंगे।

-सोमनाथ झारिया, निगमायुक्त

नईदुनिया 16/11/21

स्वच्छता देखने निकले आयुक्त को नदारद मिले कर्मचारी, नोटिस जारी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. शहर में स्वच्छता अभियान 2022 पर नगर निगम ने कार्य की शुरुआत कर दी है। इसके अंतर्गत जहां कई तरह के नवाचार किए जा रहे हैं, वही दूसरी तरफ स्वच्छता अभियान की प्रतिदिन वरिष्ठ अधिकारी समीक्षा कर रहे है। सोमवार को जब निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया ने वार्डो का निरीक्षण किया तो करीब आधा दर्जन कर्मचारी काम से नदारत मिले, इसके बाद सभी को वेतन काटने का नोटिस जारी कर किया जा रहा है।

निगम से मिली जानकारी के अनुसार सुबह करीब 6 बजे निगम आयुक्त जिस क्षेत्र में अलकापुरी में रहते है वहां सहित कस्तुरबा नगर, सुभाष नगर, हाट की चौकी, धानमंडी सहित अन्य क्षेत्र में पहुंचे। बारी बारी से उन्होंने वार्ड दारोगाओं को कर्मचारियों की उपस्थिति के बारे में जानकारी ली तो पता चला कि जिन - जिन वार्डो में उन्होंने निरीक्षण किया है वहां स्वच्छता कर्मचारी नदारत हैं। इसके बाद करीब आधा दर्जन कर्मचारियों के वेतन काटने का नोटिस जारी करने की प्रक्रिया को शुरू किया जा रहा है।

आयुक्त झारिया ने इस प्रकार से पहली बार निरीक्षण नहीं किया है। पूर्व में भी इसी माह निरीक्षण जब बाजार क्षेत्र में किया था तो कर्मचारी नदारत मिले थे। यहां तक की वार्ड नंबर 39 में तो दारोगा विजय खरे को नोटिस भी जारी करने की बात की गई थी, बाद में उसको वापस ले लिया गया था।

फिलहाल कर्मचारियों के काम पर नहीं मिलने पर वेतन काटने का नोटिस जारी हुआ है। अब कर्मचारियों का वेतन काटने के बजाए सीधे बर्खास्तगी की जाएगी।

- सोमनाथ झारिया, आयुक्त नगर निगम

कार्रवाई

पत्रिका

पत्रिका 16/11/21

प्रशासन ने व्यापारिक प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया, सेकंड डोज लगवाने के बाद ही व्यापार के निर्देश दिए

नो वैक्सीन-नो वर्क-नो व्यापार

रतलाम ■ राज न्यूज नेटवर्क

कोविड- टीकाकरण में प्रत्येक व्यक्ति के दोनों डोज सुनिश्चित कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा हर संभव प्रयास किए जा रहे है। सेकंड डोज के लिए कलेक्टर ने निर्देश दिए है कि अब व्यापारी और ग्राहकों को सेकंड डोज लगवाना अनिवाय है। ऐसा नही करने पर पहले उन्हे चेतावनी दी जाएगी, नियमों को पालन नही करने पर दुकान सील भी की जा सकती है। शासन के निर्देश के असर पर भी बाजार में देख जा सकते है। शहर के कई व्यापारियों ने इसका समर्थन किया है तो किसी ने इसका विरोध भी।

व्यापारिक प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया

सोमवार को नायब तहसीलदार पूजा भाटी ने अमले के साथ शहर के व्यापारिक प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिन दुकानदारों ने दूसरा डोज नही लगवाया उन्हे तुरंत डोज लगवाने के निर्देश दिए, साथ ही यह भी निर्देश दिए की अगर नियमों का पालन नही करोंगे तो दुकान सील कर दी जाएगी।

इसके साथ ही शादी-ब्याह मे आने वाले लोगों को भी वैक्सीन के लिए प्रेरित किया जाएगा और जरुरत पडने पर वहां भी टीका लगवाने की व्यवस्था की जाएगी। इसके साथ ही एसडीएम अभिषेक गेहलोत द्वारा प्रिंटिंग प्रेस एसोसिएशन सहित अन्य दुकानदारों को सेकंड डोज लगवाने के साथ ही दुकान, संस्था पर आने वाले लोगों को सेकंड डोज लगवाने के बाद ही व्यापार करने के निर्देश दिए। अध्यक्ष को पत्र जारी कर निर्देशित किया गया है कि वैवाहिक पत्रिका पर टीकाकरण संबंधित नोट अंकित करने के लिए अपने सदस्यों को सूचित करें।

कार्यक्रमों की पत्रिकाओं पर नोट प्रिंट कराएं

अध्यक्ष प्रि[illegible]प्रेस एसोसिएशन [illegible] को निर्देशित किया गया है कि उनके एसोसिएशन के अंतर्गत आने वाले समस्त प्रिंटिंग प्रेस सदस्यगणों को सूचित करें कि वे अपनी प्रिंटिंग प्रेस में छपाई के दौरान वैवाहिक, मांगलिक कार्यक्रमों की पत्रिकाओं पर नोट प्रिंट कराएं कि कार्यक्रम में ऐसे ही व्यक्ति सम्मिलित हो जिन्होंने कोविड-19 के टीके के दोनों डोज लगवा लिए हो। उल्लेखनीय है कि कोविड-19 बीमारी को डब्ल्यूएचओ द्वारा वैश्विक महामारी के रूप में चिन्हित किया गया है तथा मध्यप्रदेश शासन द्वारा मध्यप्रदेश पब्लिक हेल्थ एक्ट 1949 की धारा 50 के अंतर्गत संपूर्ण मध्यप्रदेश राज्य के लिए संक्रमण रोग घोषित किया है।

विवाह समारोह में 50 लोगों को लगाया कोविड टीका

देशभर में चल रहे कोरोना महामारी से बचने के लिए टीकाकरण अभियान में मध्य प्रदेश के रतलाम जिले को प्रथम स्थान लाने के लिए विगत दिवस आयोजित बैठक मे जिला प्रशासन, विधायक चैतन्य काश्यप एवं समाजसेवियों ने जल्द से जल्द टीकाकरण पूरे जिले में हो उसके लिए अनेक निर्णय लिए। उसमें से एक महत्वपूर्ण सुझाव अनुसार विवाह स्थल पर टीकाकरण टीम ने पहुंचकर टीकाकरण का कार्य उत्साह के साथ संपन्न कराया। रोगी कल्याण समिति सदस्य एवं जिला टीकाकरण प्रभारी गोविंद काकानी ने जानकारी देते हुए बताया कि गजेंद्र पिता रामचंद्र बैरागी का विवाह डॉ.विजया पिता लोकेश वैष्णव निवासी बड़वाह के साथ 80 फीट रोड स्थित नारायणी पैलेस पर हुआ। रामचंद्र बैरागी पुलिस विभाग से रिटायर होकर टीकाकरण के अभियान में सहयोग हेतु अपने यहां शादी मे टीकाकरण व्यवस्था करने के लिए निवेदन जिला प्रशासन से किया। उनकी मंशा अनुरूप टीकाकरण टीम के रतलाम प्रमुख लोकेश वैष्णव, एनएम इंदिरा भगोरा, लखन सिलावट, शुभम परमार के साथ जिला टीकाकरण प्रभारी गोविंद काकानी ने विवाह समारोह में आए मेहमानों को टीकाकरण के लिए प्रोत्साहित किया और लगभग 50 लोगों को टीकाकरण किया गया। टीकाकरण टीम ने वर गजेंद्र बैरागी एवं वधू डॉक्टर विजया वैष्णव का टीकाकरण प्रमाण पत्र उपस्थित लोगों को दिखाकर टीकाकरण के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया साथ ही वर वधु एवं परिवार जन का सम्मान किया।

२१५

राज [illegible] 16/11/21

स्पॉट फाईन दल के कर्मचारियों का नवम्बर माह का वेतन रोका

रतलाम। खुले में कचरा डालकर गंदगी करने वाले नागरिकों व दुकानदरों पर स्पॉट फाईन किये जाने की कार्यवाही में स्पॉट फाईन दल द्वारा निरंतर कार्य में लापरवाही बरतने व प्रतिदिन तय लक्ष्य के अनुसार स्पॉट फाईन नहीं करने पर निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया के निर्देशानुसार दल के समस्त कर्मचारियों का माह नवम्बर 2021 का वेतन रोका जाकर सेवा से बर्खास्त किये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया।

खुले में गंदगी करने वाले नागरिकों व दुकानदारों पर स्पॉट फाईन दल को प्रतिदिन 500 व्यक्तियों पर स्पॉट फाईन किये जाने का लक्ष्य दिया गया है किन्तु दल के कर्मचारियों द्वारा कार्य में लापरवाही बरती जाकर स्पॉट फाईन की कार्यवाही नहीं की जा रही है।

इस हेतु दल के कर्मचारियों को कई बार नोटिस भी दिया गया साथ ही वेतन भी काटा गया फिर भी इनके कार्य में कोई सुधार नहीं पाया जा रहा है।

षहर में दुकानों, घरो के सामने व खुले स्थानों पर कचरे एवं गंदगी के ढेर दिखाई दे रहे है इस हेतु स्पॉट फाईन दल के कर्मचारी विराट मेहरा, राकेष लालावत, पवन झांझोट, आकाष षिन्दे, मनोज झांझोट माह नवम्बर 2021 का वेतन रोका जाकर सेवा से बर्खास्त किये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया। प्रसा/र०।

प्रसारण 16/11/21

कर्मचारियों का नवम्बर माह का वेतन रोका

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. खुले में कचरा डालकर गंदगी करने वाले नागरिकों व दुकानदरों पर स्पॉट फाईन किये जाने की कार्यवाही में स्पॉट फाईन दल द्वारा निरंतर कार्य में लापरवाही बरतने व प्रतिदिन तय लक्ष्य के अनुसार स्पॉट फाईन नहीं करने पर निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया ने सभी कर्मचारियों का माह नवम्बर का वेतन रोकने व सेवा से बर्खास्त किये जाने का कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया है। पत्रिका

पत्रिका 16/11/21

स्पाट फाइन दल के कर्मचारियों का वेतन रोका

रतलाम। खुले में गंदगी करने वाले नागरिकों व दुकानदारों पर स्पाट फाइन दल को प्रतिदिन 500 व्यक्तियों पर स्पाट फाइन किए जाने का लक्ष्य दिया गया है, लेकिन दल के कर्मचारियों द्वारा कार्य में लापरवाही बरती जाकर स्पाट फाइन की कार्रवाई नहीं की जा रही है। इसके लिए दल के कर्मचारियों को कई बार नोटिस भी दिया गया। साथ ही वेतन भी काटा गया। फिर भी इनके कार्य में कोई सुधार नहीं पाया जा रहा है। शहर में दुकानों, घरों के सामने व खुले स्थानों पर कचरा, गंदगी के ढेर दिखाई दे रहे है। इसके लिए निगमायुक्त सोमनाथ झारिया के निर्देशानुसार दल के कर्मचारी विराट मेहरा, राकेश लालावत, पवन झांझोट, आकाश शिंदे, मनोज झांझोट का माह नवंबर 2021 का वेतन रोका जाकर सेवा से बर्खास्त किए जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया। नई.

नईदुनिया 16/11/21

मुख्य मार्गों से अवैध अस्थाई अतिक्रमण हटाया, 12 गुमटियां व अन्य सामग्री जब्त

रतलाम। शहर के मुख्य मार्गों, फुटपाथ आदि पर गुमटियां, ठेले, अन्य साम्रगी रखकर अतिक्रमण करने वालों पर निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया के निर्देशानुसार 15 नवम्बर सोमवार को अतिक्रमण दल ने कार्यवाही करते हुए 12 गुमटियां व अन्य सामग्री जब्त की। अतिक्रमण दल द्वारा पावर हाउस रोड, लोकेन्द्र भवन रोड, डाट की पुल रोड, मित्र निवास रोड, अम्बेडकर मांगलिक भवन पोलोग्राउण्ड रोड पर अस्थाई अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जिसके तहत 12 अवैध अस्थाई गुमटियां हटाकर जब्त की गई इसके अलावा रेडिमेड गारमेंट की दुकानों के सामने रखे पुतले सहित अन्य सामग्री जब्त की गई। लोकेन्द्र भवन रोड से 12 कपड़े वालो व 2 मूर्ति वालो हटाया गया। नगर निगम द्वारा यह कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी। प्रसारण

प्रसारण 16/11/21

मुख्य मार्गो से अवैध अस्थाई अतिक्रमण हटाया

रतलाम। शहर के मुख्य मार्गों, फुटपाथ आदि पर गुमटियां, ठेले, अन्य साम्रगी रखकर अतिक्रमण करने वालों पर निगमायुक्त सोमनाथ झारिया के निर्देशानुसार सोमवार को अतिक्रमण दल ने कार्यवाही करते हुए 12 गुमटियां व अन्य सामग्री जब्त की। अतिक्रमण दल द्वारा पावर हाउस रोड, लोकेन्द्र भवन रोड, डाट की पुल रोड, मित्र निवास रोड, अम्बेडकर मांगलिक भवन पोलोग्राउण्ड रोड पर अस्थाई अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जिसके तहत 12 अवैध अस्थाई गुमटियां हटाकर जब्त की गई इसके अलावा रेडिमेड गारमेंट की दुकानों के सामने रखे पुतले सहित अन्य सामग्री जब्त की गई। लोकेन्द्र भवन रोड से 12 कपड़े वालो व 2 मूर्ति वालो हटाया गया। नगर निगम द्वारा यह कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

नवभारत

नवभारत 16/11/21

सड़क से 12 गुमटियां हटाई, सामग्री जब्त

रतलाम | सड़क किनारे फुटपाथ पर अतिक्रमण कर लगाई गुमटियों को हटाने की कार्रवाई नगर निगम ने फिर शुरू कर दी है। सोमवार को पॉवर हाउस रोड, लोकेंद्र भवन रोड, डाट की पुल, मित्र निवास रोड, आंबेडकर मांगलिक भवन पोलोग्राउंड क्षेत्र से 12 गुमटियों को हटाया। निगम के दल ने इनकी सामग्री भी जब्त कर ली। इसके अलावा रेडीमेड गारमेंट की दुकानों के सामने रखे पुतले सहित अन्य सामग्री जब्त की। लोकेंद्र भवन रोड से कपड़े बेचने 12 लोगों और दो मूर्ति निर्माताओं को हटाया गया।

दैनिक भास्कर 16/11/21

मुख्य मार्गों से अवैध अस्थायी अतिक्रमण हटाया

रतलाम। शहर के मुख्य मार्गों, फुटपाथ आदि पर गुमटियां, ठेले, अन्य सामग्री रखकर अतिक्रमण करने वालों पर निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया के निर्देशानुसार सोमवार को निगम के दल ने कार्रवाई करते हुए 12 गुमटियां व अन्य सामग्री जब्त की। अतिक्रमण दल द्वारा पावर हाउस रोड, लोकेंद्र भवन रोड, डाट की पुल रोड, मित्र निवास रोड, आंबेडकर मांगलिक भवन पोलोग्राउंड रोड पर अस्थाई अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की।

नईदुनिया 16/11/21

अवैध गुमटियों को किया जब्त, शहर में प्रतिदिन अभियान का दावा

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. शहर में नगर निगम ने फुटपाथ पर बैठकर रोजगार करने वालों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सोमवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अभियान चलाकर अवैध रुप से सरकारी भूमि पर रखी गई गुमटियों को जब्त किया गया।

एक तरफ नगर निगम अवैध कॉलोनाईजर के खिलाफ कार्रवाई करते हुए प्रतिदिन उनमे हुए निर्माण को तोड़ रहा है, दूसरी तरफ अब सड़कों को चौड़ा करने के अभियान के अंतर्गत गुमटियों को हटाने का कार्य कर रहा है। सोमवार को शहर के करीब आधा दर्जन क्षेत्र से निगम के राजस्व व लोकनिर्माण विभाग ने मिलकर गुमटियों को जब्त किया। निगम का दावा है कि अभियान प्रतिदिन चलेगा।

पत्रिका

पत्रिका 16/11/21

कलेक्टर को सौंपी रिपोर्ट

कबाड़ वालों को हटाने भेजी रिपोर्ट, अब इस सप्ताह होगा स्थान चयन

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. शहर में नवरात्र के दौरान प्लास्टिक पाइप गोदाम में लगी आग के बाद कबाड़ से लेकर प्लास्टिक गोदाम को शहर से हटाने का निर्णय लिया गया था। इसके बाद कबाड़े वालों को हटाने के बारे में शहर अनुविभागीय अधिकारी अभिषेक गेहलोत ने अपनी रिपोर्ट नगर निगम प्रशासक कुमार पुरुषोत्तम को सौप दी है। इसके बाद अब इसी सप्ताह स्थान चयन करने की प्रक्रिया होगी।

बता दे कि नवरात्र के दौरान शहर में प्लास्टिक गोदाम में भीषण अग्निकांड हुआ था। इसके बाद कलेक्टर कुमार ने कमेटी बनाकर शहर के सभी प्लास्टिक सहित उन स्थान की जांच करने को कहा था जहां से आग लगने का खतरा अधिक रहता है। इसके बाद प्रशासन, नगर निगम व पुलिस ने अपनी - अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। इस रिपोर्ट के बाद 50 से अधिक प्लास्टिक गोदाम वालों को नगर निगम ने नोटिस देते हुए 15 दिन में स्थान बदलने को कहा था। इन सब के बीच कबाड़े वालों की भी जांच की गई थी। इसकी जांच हाल ही में पूरी हुई है व अब अनुविभागीय अधिकारी ने अपनी रिपोर्ट सौप दी है इस रिपार्ट में शहर के करीब 40 से अधिक कबाड़े वालों के स्थान की जानकारी दी गई है। इसके बाद अब इनको हटाने का निर्णय लिया जाएगा।

स्थान चयन किया जाएगा

प्लास्टिक गोदाम, कबाड़े वाले आदि के लिए अब स्थान चयन करने की जिम्मेदारी नगर निगम व रतलाम विकास प्राधिकरण को दी गई है। इनको इसी सप्ताह स्थान चयन करके अपनी रिपोर्ट देना है। इस रिपोर्ट के बाद ही प्रशासनीक बैठक होगी व अंतिम निर्णय लिया जाएगा। उसके पूर्व जो रिपोर्ट दी गई है, उस पर मंगलवार को निर्णय को हो सकता है।

हमने सौंप दी रिपोर्ट

हमने कबाड़े वालों के बारे में जो रिपोर्ट मांगी गई थी, वो सौप दी है। अब स्थान चयन की जिम्मेदारी नगर निगम को करना है। **- अभिषेक गेहलोत,** शहर अनुविभागीय अधिकारी

इसी सप्ताह लेंगे निर्णय

प्लास्टिक गोदाम व कबाड़े वालों को नया स्थान शहर से दूर देना है। जिससे किसी प्रकार की बड़ी दुर्घटना शहर में नहीं हो। इस संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा करके इसी सप्ताह निर्णय लिया जाएगा। **- सोमनाथ झारिया,** आयुक्त नगर निगम

पत्रिका 16/11/21

रतलाम फूड जंक्शन : 45 दुकानें, एम्फी थियेटर, ओपन शो, एक्जीबिशन भी लग सकेगी

भास्कर संवाददाता | रतलाम

लोकेंद्र भवन पर बनने वाले शहर के पहले फूड जंक्शन की योजना फाइनल हो गई है। यह गुड़गांव साइबर हब फूड जंक्शन की तर्ज विकसित होगा। 11 करोड़ के खर्च से बनने वाला रतलाम फूड जंक्शन स्टेडियम की दीवार से सटकर फोरलेन तक 24 हजार वर्गफीट में फैला रहेगा। कलेक्टर पुरुषोत्तम ने बताया एक महीने में अलग-अलग कार्य की लागत निकलकर डिटेल एस्टीमेट तैयार हो जाएगा। विधायक चेतन्य काश्यप ने बताया शहरवासियों के लिए प्रमुख डेस्टिनेशन होगा। मार्च-अप्रैल 2022 में फूड जंक्शन आकार लेने लगेगा।

एंट्री गेट वाली एक मात्र बिल्डिंग होगी दो मंजिला

फूड जंक्शन का बड़ा एंट्री गेट लोकेंद्र भवन रोड तरफ बनेगा। गेट के दोनों तरफ लगभग 260 फीट की एक मंजिला इमारत बनेगी। इनमें 45 दुकानें होगी। ग्राउंड फ्लोर की दुकानें के बाहर कवर शेड होगा। इसके बाद पोलार्ड (बैरिकेड्स) लगे होंगे। घूमते हुए लोग इससे निकलकर दुकान तक जा सकेंगे।

200 वाहनों का पार्किंग स्पेस

- स्टेडियम की दीवार के पास 200 वाहनों का पार्किंग स्पेस
- अंदर की तरफ बड़ा खुला एरिया होगा, इसमें पॉथ-वे, घूमने के लिए दुकानों के आगे से होते हुए कॉरिडोर रहेगा।
- लगभग 7 से 8 हजार वर्गफीट का गार्डन एरिया होगा, जिसमें सजावटी के साथ फूल और फल वाले पौधे लगेंगे।
- लोगों के बैठने के लिए जगह-जगह बेंच, पक्की टेबल और गेजबो जैसी संरचनाएं भी बनेगी।
- बीच में पर्याप्त जगह होगी, जिसमें छोटा ओपन शो, थियेटर, एक्जीबिशन, मीटिंग भी हो सकेगी।

निगम के स्पॉट फाइन दल के कर्मचारियों का वेतन रोका

भास्कर संवाददाता | रतलाम

खुले में कचरा डालने वालों पर जुर्माना करने के लिए बनाए स्पॉट फाइन दल द्वारा कार्य में लापरवाही पर कर्मचारियों का नवंबर का वेतन रोक दिया है। साथ ही सेवा से बर्खास्त करने का नोटिस जारी किया है। दल को रोज 500 व्यक्तियों पर स्पॉट फाइन करने का लक्ष्य दिया है, बहुत कम कार्रवाई की जा रही है। कई बार नोटिस देने के बावजूद काम में सुधार नहीं आया। घर, दुकानों के सामने व खुले स्थानों पर कचरा व गंदगी के ढेर दिखाई देने के बाद यह कार्रवाई की है। दल में विराट मेहरा, राकेश लालावत, पवन झांझोट, आकाश शिंदे, मनोज झांझोट शामिल हैं।

दै. भास्कर 16/11/21

9 महीने बाद आबोहवा फिर बिगड़ी : ऑरेंज जोन में पहुंचा हमारा रतलाम, एक्यूआई 200 से ज्यादा, नवंबर में एक भी दिन ग्रीन नहीं

लंबे समय तक ऐसा ही रहा तो सांस लेने में होने लगेगी परेशानी

4 फरवरी को ऑरेंज जोन में आए थे, मानसून में ली सबसे शुद्ध हवा, 50 के आसपास ही था एक्यूआई, दिल और फेफड़े के मरीजों के लिए यह हवा ठीक नहीं

विकल्प मेहता | रतलाम

रतलाम की आबोहवा बिगड़ती जा रही है। हमारा शहर ऑरेंज जोन में पहुंच चुका है, यानी प्रदूषित। रतलाम में एक्यूआई का स्तर 200 से ज्यादा बना हुआ है, यह स्तर दिल के मरीजों के लिए ठीक नहीं है। यदि ऐसा ही लंबे समय तक रहता है तो सांस लेने में परेशानी होती है।

हमारे शहर की हवा 9 महीने बाद बिगड़ी है। इससे पहले 4 फरवरी को ऐसा हुआ था, जब एक्यूआई का स्तर ऑरेंज जोन में था। दो दिन 14 नवंबर को एक्यूआई 17 और 15 नवंबर को एक्यूआई 218 रहा है। नवंबर में शहर एक भी दिन ग्रीन जोन में नहीं रहा। अब तक येलो जोन में रहा है, 1, 8 और 13 नवंबर को एक्यूआई का स्तर 160 से भी ज्यादा रहा।

ये अमृतसागर की धूलभरी सड़क है। ये धूलकण भी हमारे लिए हानिकारक हैं। फोटो | चिंटू मेहता

जनवरी में 4 दिन ऑरेंज जोन में था शहर

- हमारा शहर जनवरी में 4 दिन ऑरेंज जोन में रहा था।
- जनवरी 4 दिन 10, 13, 14 15 को ग्रीन जोन में रहा था।
- फरवरी में 2 दिन 3 और 4 फरवरी को शहर ऑरेंज जोन में था, इनके अलावा येलो जोन में।
- मार्च में एक्यूआई 150 से कम था, अप्रैल में 15 और 26 अप्रैल ग्रीन में थे, बाकी येलो में था।
- मई में 25 दिन, जून में 29 दिन रतलाम ग्रीन जोन में रहा।
- ग्रीन में जुलाई, अगस्त व सितंबर में एक्यूआई 100 से कम था।

जानिए... एक्यूआई जोन का स्वास्थ्य पर असर

- 0-50 ग्रीन : शुद्ध
- 51-100 लाइट ग्रीन : संवेदनशील लोगों को सांस लेने में परेशानी
- 101-200 येलो : दिल के मरीजों को सांस लेने में परेशानी
- 201-300 ऑरेंज : सांस लेने में तकलीफ, हृदय रोग से पीड़ित मरीजों को ज्यादा परेशानी
- 301-400 रेड : प्रदूषित, स्वास्थ्य के लिए हानिकारक
- 301-500 डार्क रेड : घरों से बाहर निकलने में भी चेतावनी

दीपावली पर 27.8% कम था प्रदूषण - दीपावली पर प्रदूषण का ज्यादा असर नहीं दिखा था। पिछले साल के मुकाबले प्रदूषण 27.8% था। दीपावली की रात 11 बजे एक्यूआई 148 रहा था। शहर येलो जोन में था, 2020 में दिवाली की रात एक्यूआई 205 था।

क्या होता है एयर क्वालिटी इंडेक्स -एक्यूआई यानी एयर क्वालिटी इंडेक्स हवा की गुणवत्ता के बारे में बताता है। इससे पता करते है। वायु में नाइट्रोजन डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड और सल्फर डाइऑक्साइड की मात्रा देखते हैं।

मौसम, निर्माण, पब्लिक ट्रांसपोर्ट का असर हवा पर

पॉल्यूशन बढ़ने में सीजन का बड़ा इफैक्ट होता है। ठंड में हवा का बहाव नहीं होने से एक्यूआई बढ़ता है। निर्माण काम का भी असर है। रतलाम में पब्लिक ट्रांसपोर्ट ज्यादा नहीं है, इसका भी असर आता है। सबसे बेहतर यह है कि लोग लंग्स को मजबूत करें। योगा और प्राणायाम अच्छा असर करता है। सुबह हवा अच्छी रहती है।

डॉ. ध्रुवेंद्र पांडेय, कम्युनिटी मेडिसीन स्पेशलिस्ट, मेडिकल कॉलेज

दै.भास्कर 16/11/21